अर्धवार्षिक परीक्षा, 2017

हिन्दी

अवधि - 3 घंटे | कक्षा - दसवीं | पूर्णांक - 80

विद्यार्थी का नाम ..... वर्ग ..... दिनांक - 14.9.2017 (गुरूवार)

निर्देश: -

- इस प्रश्न पत्र के चार खंड हैं - क, ख, ग और घ ।
- चारों खंडों के प्रश्नों के उत्तर देना अनिवार्य है।
- यथासंभव प्रत्येक खंड के उत्तर क्रमशः दीजिए ।

खण्ड - क

प्र.1 निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर दिए गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए -

पतंग का आशय है अपार संतुलन, नियमबद्ध नियंत्रण, सफल होने का आक्रामक जोश और परिस्थितियों के अनुकूल होने का अद्‌भुत समन्वय । यह आक्रामक एवं जोशीले व्यक्तित्व की भी प्रतीक है । पतंग का कन्ना संतुलन की कला सिखाता है। कन्ना बाँधने में थोड़ी-सी भी लापरवाही होने पर पतंग यहाँ-वहाँ डोलती है यानी सही संतुलन नहीं रह पाता । इसी तरह जीवन और व्यक्तित्व में भी संतुलन न होने पर जीवन गोते खाने लगता है । आज के इस तेज़ी से बदलते आधुनिक परिवेश में नौकरी-व्यवसाय और पारिवारिक जीवन के बीच संतुलन रखना अति आवश्यक है, इसमें हुई थोड़ी-सी लापरवाही ज़िंदगी की पतंग को असंतुलित कर देती है ।

पतंग से सीखने लायक दूसरा गुण है नियंत्रण । खुले आकाश में उड़ने वाली पतंग को देखकर लगता है कि वह अपने-आप ही उड़ रही है लेकिन उसका नियंत्रण डोर के माध्यम से उड़ाने वाले के हाथ में होता है। डोर का नियंत्रण ही पतंग को भटकने से रोकता है । मानव व्यक्तित्व के लिए भी एक ऐसी ही लगाम की आवश्यकता है । निश्चित लक्ष्य से दूर ले जाने वाले अनेक प्रलोभन मनुष्य के सामने आते हैं । इस समय स्वैच्छिक नियंत्रण और अनुशासन ही उसकी पतंग को निरंकुश बनने से रोक सकता है। पतंग की उड़ान भी तभी सफल होती है, जब प्रतिस्पर्धा में दूसरी पतंग के साथ उसके पेंच लड़ाए जाएँ । पतंग के पेंच में हार-जीत की जो भावना देखने में आती है, वह शायद ही कहीं और देखने को मिले । पतंग किसी की भी कटे, खुश दोनों होते हैं । जिसकी पतंग कटती है, वह भी अपना गम भुलकर दूसरी पतंग का कन्ना बाँधने में लग जाता है । यही व्यावहारिकता जीवन में भी होनी चाहिए । अपना गम भूलकर दूसरों की खुशियों में शामिल होना और एक नए संकल्प के साथ जीवन की राहों पर चल निकलना ही इंसानियत है ।

पतंग का आकार भी उसे एक अलग ही महत्त्व देता है । हवा को तिरछा काटने वाली पतंग हवा के रुख के अनुसार अपने आपको सँभालती है। आकाश में अपनी उड़ान को कायम रखने के लिए सतत प्रयत्नशील रहने वाली पतंग हवा की गति के साथ मुड़ने में ज़रा भी देर नहीं करती । हवा की दिशा बदलते ही वह अपनी दिशा तुरंत बदल देती है। इसी तरह मनुष्य को परिस्थितियों के अनुसार ढलना आना चाहिए । जो अपने-आपको हालात के अनुसार नहीं ढाल पाते, वे 'आऊट डेटेड' बन जाते हैं और हमेशा गतिशील रहने वाले 'एवरग्रीन' होते हैं। यह सीख हमें पतंग से ही मिलती है ।

क) पतंग का क्या आशय है और यह किसकी प्रतीक है ? (2)

ख) पतंग का कन्ना बाँधने में किसकी सीख मिलती है और जीवन में इसका क्या महत्त्व है ? (2)

ग) मानव जीवन में कैसी व्यावहारिकता होनी चाहिए ? (2)

घ) मानव व्यक्तित्व के लिए किसकी आवश्यकता है ? (1)

ड.) आऊट डेटेड होने की सीख हमें किससे मिलती है ? (1)

प्र.2 निम्नलिखित काव्यांश को पढ़कर दिए गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए - (7)

सच हम नहीं, सच तुम नहीं,
सच है महज संघर्ष ही ।
संघर्ष से हट कर जिए तो क्या जिए, हम या कि तुम,
जो नत हुआ वह मृत हुआ ज्यों वृंत से झरकर कुसुम,
जो लक्ष्य भूल रुका नहीं, जो हार देख झुका नहीं,
जिसने प्रणय पाथेय माना जीत उसकी ही रही ।
सच हम नहीं सच तुम नहीं ।
ऐसा करो जिससे न प्राणों में कहीं जड़ता रहे ।
जो भी जहाँ, चुपचाप अपने-आप से लड़ता रहे ।
जो भी परिस्थितियाँ मिलें, काँटें चुभें, कलियाँ खिलें ।
हारे नहीं इंसान, है संदेश जीवन का यही ।
सच हम नहीं, सच तुम नहीं ।

क) कवि के अनुसार जीवन का सच क्या है और क्यों ? (2)

ख) 'जो नत हुआ वह मृत हुआ' इस पंक्ति का भाव स्पष्ट कीजिए । (2)

ग) जीवन यात्रा में सफलता किसे मिलती है ? (1)

घ) कवि ने जीवन के लिए क्या संदेश दिया है ? (1)

ड.) उपरोक्त काव्यांश का शीर्षक लिखिए । (1)

खण्ड - ख

प्र.3 निर्देशानुसार उत्तर दीजिए -

रचना के आधार पर वाक्य भेद लिखिए - (3)

क) आदित्य कल आगरा जाएगा और ताजमहल देखेगा ।

ख) बिस्मिल्ला खाँ को भारत रत्न मिला था ।

ग) जो कार्य करते हैं वे सफल होते हैं ।

प्र.4 निम्नलिखित वाक्यों को निर्देशानुसार बदलिए - (4)

क) मंत्री जी ने राहत सामग्री बँटवाई । (कर्मवाच्य)

ख) समर्थकों द्वारा पुष्प वर्षा की गई । (कर्तृवाच्य)

ग) माँ रो भी नहीं सकती । (भाववाच्य)

घ) कवि ने एक कविता सुनाई । (कर्मवाच्य)

प्र.5 निम्नलिखित वाक्यों में रेखांकित पदों का पद-परिचय लिखिए - **(4)**

क) अहा ! उपवन में सुंदर फूल खिले हैं ।

ख) वे घर पहुँच चुके हैं ।

ग) राम परिश्रमी लड़का है।

घ) मयंक फुटबॉल खेलता है।

प्र.6 क) निम्नलिखित काव्य पंक्तियों में प्रयुक्त रस के नाम लिखिए - **(4)**

अ) निसि-दिन बरसत नैन, हमारे,
सदा रहत बरसा रितु हम पर मथुरा जबहिं सिधारे ।

ब) किलकत कान्ह घुटरुवनि आवत
मनिमय कनक नंद के आँगन बिंब पकरिबे धावत ।

ख) निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए -

अ) उत्साह किस रस का स्थायी भाव है?

ब) वीभत्स रस का स्थायी भाव लिखिए ।

खण्ड - ग

प्र.7 निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए - **(5)**

बेटे के क्रिया-कर्म में तूल नहीं किया : पतोहू से ही आग दिलाई उसकी । किंतु ज्यों ही श्राद्ध की अवधि पूरी हो गई, पतोहू के भाई को बुलाकर उसके साथ कर दिया, यह आदेश देते हुए कि इसकी दूसरी शादी कर देना । इधर पतोहू रो-रोकर कहती कि मैं चली जाऊँगी तो बुढ़ापे में कौन आपके लिए भोजन बनाएगा, बीमार पड़े, तो कौन एक चुल्लू पानी भी देगा ? पैर पड़ती हूँ। मुझे अपने चरणों से अलग नहीं कीजिए ! लेकिन भगत का निर्णय अटल था ।

क) बालगोबिन भगत के परिवार के बारे में लिखिए । **(2)**

ख) भगत की पतोहू उन्हें छोड़कर क्यों नहीं जाना चाहती थी ? **(2)**

ग) भगत अपने कौन से निर्णय पर अटल थे ? **(1)**

प्र.8 निम्नलिखित प्रश्नों के संक्षिप्त उत्तर दीजिए - **(2×4=8)**

क) 'वो लंगड़ा क्या जाएगा फौज में । पागल है पागल' कैप्टन के प्रति पानवाले की इस टिप्पणी पर अपनी प्रतिक्रिया लिखिए ।

ख) बालगोबिन ने अपने बेटे की मृत्यु पर अपनी भावनाएँ किस प्रकार व्यक्त की ?

ग) फादर की उपस्थिति देवदार की छाया जैसी क्यों लगती थी ?

घ) बिना विचार, घटना और पात्रों के भी क्या कहानी लिखी जा सकती है ? इस पर अपने विचार व्यक्त कीजिए ।

प्र.9 निम्नलिखित काव्यांश पर आधारित प्रश्नों के उत्तर संक्षिप्त में दीजिए - **(5)**

नाथ संभु धनु भंजनिहारा । होइहि कोउ एक दास तुम्हारा ।।

आयसु काह कहिअ किन मोही । सुनि रिसाइ बोले मुनि कोही ।।

सेवकु सो जो करै सेवकाई । अरिकरनी करि करिय लराई ।।

सुनहु राम जेहि सिवधनु तोरा । सहसबाहु सम सो रिपु मोरा ।।

सो बिलगाउ बिहाइ समाजा । न त मारे जैहहिं सब राजा ।।

सुनि मुनिवचन लखन मुसुकाने । बोले परसुधरहि अवमाने ।।

बहु धनुही तोरी लरिकाईं। कबहुँ न असि रिस कीन्हि गोसाई ।।

येहि धनु पर ममता केहि हेतू । सुनि रिसाइ कह भृगकुलकेतू ।।

क) धनुष तोड़ने वाले ने अपना परिचय किस प्रकार दिया ? **(2)**

ख) वक्ता की बात का जवाब श्रोता ने किस प्रकार दिया ? **(2)**

ग) लक्ष्मण ने मुनि के क्रोध को किस प्रकार भड़काया ? **(1)**

प्र.10 निम्नलिखित प्रश्नों के संक्षिप्त उत्तर दीजिए । **(2×4=8)**

क) गोपियों के अनुसार राजधर्म क्या होना चाहिए ?

ख) 'साहस और शक्ति के साथ विनम्रता हो तो बेहतर है' इस कथन पर अपने विचार लिखिए ।

ग) चाँदनी रात की सुंदरता को कवि ने किन-किन रूपों में देखा है ?

घ) 'आत्मकथ्य' कविता की काव्य भाषा की विशेषताएँ उदाहरण सहित लिखिए ।

प्र.11 जॉर्ज पंचम की लाट पर किसी भी भारतीय नेता, यहाँ तक कि भारतीय बच्चे की नाक फिट न होने की बात से लेखक किस ओर संकेत करना चाहता है ? **(4)**

खण्ड - घ

प्र.12 दिए गए संकेत बिंदुओं के आधार पर निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर लगभग 200-250 शब्दों में निबंध लिखिए - **(10)**

अध्ययन का आनंद

* विद्या और ज्ञान की प्राप्ति
* अध्ययन सफलता का मूलमंत्र
* मनोरंजन का साधन
* आनंद की प्राप्ति

जल ही जीवन है

* जीवन में जल का महत्त्व
* जल का अभाव
* जल प्रदूषण के कारण
* जल की कमी के मुख्य कारण
* जलापूर्ति के प्रयास

बाल मज़दूरी : एक अभिशाप

* बाल मज़दूरी का अर्थ
* बाल मज़दूरी के कारण
* बाल मज़दूरी के दुष्परिणाम
* दूर करने के उपाय

प्र.13 आप अपने मित्रों के साथ किसी पर्वतीय प्रदेश की यात्रा के लिए गए थे । वहाँ के प्राकृतिक सौंदर्य का वर्णन करते हुए अपनी माताजी को पत्र लिखिए । **(5)**

प्र.14 वृक्षारोपण को बढ़ावा देने के लिए भारत सरकार की ओर से एक विज्ञापन बनाइए । **(5)**